डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

साहित्य अकादेमी द्वारा 'साहित्य मंच' कार्यक्रम आयोजित
पाँच मैथिली रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर 2019। साहित्य अकादेमी द्वारा आज 'साहित्य मंच' कार्यक्रम में पाँच मैथिली रचनाकारों– प्रेम मोहन मिश्र, मुन्नी कामत, ओमप्रकाश झा, निवेदिता झा एवं विनीत उत्पल को मैथिली काव्य–संध्या में रचना–पाठ के लिए आमंत्रित किया गया। निवेदिता झा ने स्त्री, जात्रा एवं बापू शीर्षक से अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। मुन्नी कामत की कविताओं के शीर्षक थे– अहीकें रोपल, जीनगी, आधुनिकता एवं कवि। ओमप्रकाश झा ने अपनी कई गज़लों के साथ एक कविता भी प्रस्तुत कीं, जिसका शीर्षक था–रातिक खाधि। विनीत उत्पल ने सत्ता, फेसबुक आ पान सुपारी एवं चूल्ही संग्रहालय शीर्षक से अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। सभी रचनाकारों की कविताओं में मैथिली समाज की राजनीतिक एवं सामाजिक स्थिति के साथ ही बढ़ती वेदना को भी चित्रित किया गया था। इन कविताओं में ये परिवर्तन भी महसूस किया गया कि मैथिली कविता धीरे–धीरे श्रृंगार के आवरण से निकलकर यथार्थ के ठोस धरातल पर आने की कोशिश कर रही है। रचना–पाठ के बाद साहित्य अकादेमी के मैथिली परामर्श मंडल के संयोजक प्रेम मोहन मिश्र ने उपस्थित श्रोताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे साहित्य अकादेमी के इस मंच पर पुरानी और नई पीढ़ी को एक–साथ लाने के लिए इस तरह के कई अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रयासरत हैं। कार्यक्रम में मैथिली के कई साहित्यकार और युवा लेखक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव (प्रकाशन) एन. सुरेश बाबू ने किया।

(के.श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

साहित्य अकादेमी
SAHITYA AKADEMI
साहित्य अकादेमी
साहित्य मंच
LITERARY FORUM